Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

LUK

लूका1:2, लूका1:2 (#2), Luke 1:4, लूका1:6, लूका1:7, लूका1:8, लूका1:9, लूका1:10, लूका1:11, Luke 1:12, लूका1:13, लूका1:16, लूका1:17, लूका1:19, लूका1:20, लूका1:27, लूका1:31, लूका1:33, लूका1:35, लूका1:35 (#2), लूका1:37, लूका 1:41, लूका1:42, लूका1:54, लूका1:59, लूका1:63, लूका1:64, लूका1:66, लूका1:68, लूका1:77, लूका1:80, लूका2:3, लूका 2:4, लूका2:7, लूका2:8, लूका2:9, लूका2:11, लूका2:15, लूका2:16, लूका2:21, लूका2:22, लूका2:26, लूका2:32, लूका2:35, लूका2:38, लूका2:40, लूका2:44, लूका2:46, लूका2:49, लूका2:51, लूका2:52, लूका3:3, लूका3:4, लूका3:8, लूका3:9, लूका 3:13, लूका3:16, लूका3:19, लूका3:20, लूका3:21, लूका3:22, लूका3:22 (#2), लूका3:23, लूका4:1, लूका4:2, लूका4:3, लूका4:4, लूका4:5, लूका4:7, लूका4:8, लूका4:9, लूका4:12, लूका4:13, लूका4:17, Luke 4:21, Luke 4:24, लूका4:26, लूका 4:27, लूका4:28, लूका4:29, लूका4:30, लूका4:34, लूका4:36, लूका4:40, लूका4:41, लूका4:43, लूका5:4, लूका5:5, लूका 5:6, लूका5:8, लूका5:10, लूका5:15, लूका5:20, लूका5:21, लूका5:24, लूका5:32, लूका5:35, लूका5:36, लूका5:37, लूका 5:38, लूका6:1, लूका6:5, लूका6:11, लूका6:13, लूका6:20, लूका6:21, लूका6:22, लूका6:23, लूका6:27, लूका6:35, लूका 6:42, लूका6:45, लूका6:45 (#2), लूका6:47, लूका6:49, लूका7:3, लूका7:6, लूका7:7, लूका7:9, लूका7:13, लूका7:16, लूका 7:22, लूका7:26, लूका7:30, लूका7:33, लूका7:34, लूका7:38, लूका7:47, लूका7:49, लूका8:3, लूका8:11, लूका8:12, लूका 8:13, लूका8:14, लूका8:15, लूका8:21, लूका8:25, लूका8:29, लूका8:33, लूका8:39, लूका8:48, लूका8:55, लूका9:2, लूका 9:7, लूका9:8, लूका9:13, लूका9:14, लूका9:16, लूका9:17, लूका9:20, लूका9:23, लूका9:29, लूका9:30, लूका9:35, लूका 9:39, लूका9:44, लूका9:48, लूका9:51, लूका9:62, लूका10:4, लूका10:9, लूका10:12, लूका10:20, लूका10:21, लूका10:27, लूका10:31, लूका10:32, लूका10:34, लूका10:37, लूका10:39, लूका10:40, लूका10:42, लूका11:3, लूका11:4, लूका11:8, लूका 11:13, लूका11:15, लूका 11:20, लूका11:26, लूका 11:28, लूका 11:32, लूका 11:39, लूका 11:42, लूका 11:46, लूका 11:50, लूका11:54, लूका12:3, लूका12:5, लूका12:8, लूका12:15, लूका12:18, लूका12:19, लूका12:20, लूका12:31, लूका 12:33, लूका12:37, लूका12:40, लूका12:46, लूका12:48, लूका12:52, लूका12:58, लूका13:3, लूका13:8, लूका13:9, लूका 13:11, लूका13:14, लूका13:15, लूका13:19, लूका13:24, लूका13:28, लूका13:28 (#2), लूका13:33, लूका13:34, लूका 13:34 (#2), लूका13:35, लूका14:3, लूका14:4, लूका14:5, लूका14:11, लूका14:11 (#2), लूका14:14, लूका14:18, लूका 14:21, लूका14:24, लूका14:26, लूका14:27, लूका14:28, लूका14:33, लूका14:35, लूका15:4, लूका15:5, लूका15:8, लूका 15:9, लूका15:10, लूका15:12, लूका15:13, लूका15:15, लूका15:18, लूका15:19, लूका15:20, लूका15:22, लूका15:23, लूका15:28, लूका15:29, लूका15:31, लूका15:32, लूका16:1, लूका16:5, लूका16:6, लूका16:7, लूका16:8, लूका16:9, लूका 16:10, लूका16:13, लूका16:16, लूका16:16 (#2), लूका16:18, लूका16:22, लूका16:23, लूका16:24, लूका16:26, लूका 16:27, लूका16:28, लूका16:29, लूका16:31, लूका17:4, लूका17:10, लूका17:12, लूका17:13, लूका17:14, लूका17:14 (#2), लूका17:15, लूका17:16, लूका17:21, लूका17:24, लूका17:25, लूका17:27, लूका17:37, लूका18:1, लूका18:3, लूका 18:5, लूका18:8, लूका18:9, लूका18:10, लूका18:11, लूका18:13, लूका18:14, लूका18:16, लूका18:22, लूका18:23, लूका 18:30, लूका18:32, लूका18:33, लूका18:38, लूका18:43, लूका19:2, लूका19:7, लूका19:9, लूका19:11, लूका19:12, लूका 19:17, लूका19:19, लूका19:21, लूका19:24, लूका19:27, लूका19:30, लूका19:38, लूका19:40, लूका19:41, लूका19:44, लूका19:47, लूका19:48, लूका20:4, लूका20:5, लूका20:6, लूका20:11, लूका20:13, लूका20:15, लूका20:16, लूका20:19, लूका20:25, लूका20:27, लूका20:34, लूका20:35, लूका20:37, लूका20:42, लूका20:47, लूका20:47 (#2), लूका21:4, लूका 21:6, लूका21:7, लूका21:8, लूका21:10, लूका21:11, लूका21:13, लूका21:16, लूका21:20, लूका21:21, लूका21:22, लूका 21:24, लूका21:25, लूका21:30, लूका21:33, लूका21:33 (#2), लूका21:34, लूका21:36, लूका22:1, लूका22:6, लूका22:12, लूका22:16, लूका22:19, लूका22:20, लूका22:22, लूका22:23, लूका22:26, लूका22:27, लूका22:30, लूका22:34, लूका 22:37, लूका22:40, लूका22:42, लूका22:45, लूका22:48, लूका22:51, लूका22:53, लूका22:54, लूका22:57, लूका22:60, लूका22:62, लूका22:63, लूका22:64, लूका22:67, लूका22:71, लूका23:2, लूका23:4, लूका23:8, लूका23:9, लूका23:14, लूका23:18, लूका23:21, लूका23:22, लूका23:23, लूका23:26, लूका23:28, लूका23:32, लूका23:35, लूका23:38, लूका 23:42, लूका23:43, लूका23:44, लूका23:45, लूका23:47, लूका23:52, लूका23:53, लूका23:54, लूका23:56, लूका24:1, लूका24:2, लूका24:3, लूका24:6, लूका24:11, लूका24:12, लूका24:16, लूका24:21, लूका24:27, लूका24:31, लूका24:36, लूका24:39, लूका24:45, लूका24:47, लूका24:49, लूका24:51, लूका24:53

लूका 1:2

लूका ने जिन "देखनेवालों" का उल्लेख किया, वे कौन थे?

ये “देखनेवाले” वे लोग थे जो यीशु की सेवकाई की शुरुआत से ही प्रेरितों के साथ रहे।

लूका 1:2 (#2)

यीशु ने जो कुछ किया उसे देखने के बाद कुछ देखनेवालों ने क्या किया?

यीशु ने जो कुछ किया, उन्होंने उसे हम तक पहुँचाने के लिए उसका एक विवरण या कहानी लिखी।

Luke 1:4

लूका ने यीशु की कही और की गई बातों का विवरण खुद लिखने का फैसला क्यों किया?

वह चाहता था कि थियुफिलुस यह जान ले कि जिन बातों की उसने शिक्षा पाई है, वे कैसी अटल हैं।

लूका 1:6

परमेश्वर ने जकर्याह और एलीशिबा को धर्मी क्यों माना?

परमेश्वर ने उन्हें धर्मी माना क्योंकि वे उनकी आज्ञाओं पर निर्दोष चलने वाले थे।

लूका 1:7

जकर्याह और एलीशिबा के कोई संतान क्यों नहीं थी?

उनकी कोई संतान नहीं थी, क्योंकि एलीशिबा बाँझ थीं। अब वह और जकर्याह बहुत बूढ़े थे।

लूका 1:8

जकर्याह परमेश्वर के सामने क्या काम कर रहा था?

जकर्याह एक याजक का काम कर रहा था।

लूका 1:9

जकर्याह ने मंदिर में क्या किया?

उसने प्रभु के लिए धूप जलाई।

लूका 1:10

जब जकर्याह मन्दिर में था, तब लोगों ने क्या किया?

लोग मंदिर के बाहर प्रार्थना कर रहे थे।

लूका 1:11

जब जकर्याह मंदिर में था, तो उसे कौन दिखाई दिया?

मंदिर में जकर्याह को प्रभु का एक स्वर्गदूत दिखाई दिया।

Luke 1:12

जब जकर्याह ने स्वर्गदूत को देखा, तो उसने कैसी प्रतिक्रिया दी?

जब जकर्याह ने स्वर्गदूत को देखा, तो वह घबराया और उस पर बड़ा भय छा गया।

लूका 1:13

स्वर्गदूत ने जकर्याह से क्या कहा?

स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा कि भयभीत न हो और यह कि उसकी पत्नी एलीशिबा से उसके लिए एक पुत्र उत्पन्न होगा। उस पुत्र का नाम यूहन्ना होगा।

लूका 1:16

स्वर्गदूत ने यूहन्ना द्वारा इस्राएलियों में से बहुतों के लिए क्या करने के लिए कहा?

स्वर्गदूत ने कहा कि यूहन्ना इस्राएलियों में से बहुतों को उनके प्रभु परमेश्वर की ओर फेरेगा।

लूका 1:17

यूहन्ना के कार्य किस प्रकार के लोगों को तैयार करेंगे?

यूहन्ना के कार्य प्रभु के लिए एक योग्य प्रजा तैयार करेंगे।

लूका 1:19

स्वर्गदूत का नाम क्या था और वह सामान्यतः कहाँ रहता था?

स्वर्गदूत का नाम गब्रिएल था और वह सामान्यतः परमेश्वर के सामने खड़ा रहता था।

लूका 1:20

जब जकर्याह ने स्वर्गदूत की बातों पर विश्वास न किया तो स्वर्गदूत ने जकर्याह के साथ क्या होने के लिए कहा?

जकर्याह तब तक बोल न सकेगा जब तक ये बातें पूरी न हो लें, अर्थात् बच्चे का जन्म न हो जाए।

लूका 1:27

एलीशिबा के गर्भधारण के छः महीने बाद, परमेश्वर ने गब्रिएल को किससे मिलने के लिए भेजा था?

उसे मरियम नामक एक कुँवारी के पास भेजा गया, जिसकी मंगनी यूसुफ नाम के एक पुरुष से हुई, जो दाऊद के घराने का था।

लूका 1:31

स्वर्गदूत ने मरियम के साथ क्या होने के लिए कहा?

स्वर्गदूत ने कहा कि मरियम गर्भवती होगी और उसका एक पुत्र उत्पन्न होगा, जिसका नाम वह यीशु रखेगी।

लूका 1:33

बालक क्या करेगा?

वह बालक याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा।

लूका 1:35

स्वर्गदूत ने कैसे कहा कि यह सब होगा क्योंकि मरियम एक कुँवारी थीं?

स्वर्गदूत ने कहा कि पवित्र आत्मा मरियम पर उतरेगा और परमप्रधान की सामर्थ्य उस पर छाया करेगी।

लूका 1:35 (#2)

स्वर्गदूत ने कहा कि यह पवित्र बालक किसका पुत्र कहलाएगा?

स्वर्गदूत ने कहा कि बालक परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

लूका 1:37

स्वर्गदूत ने क्या कहा जो परमेश्वर के लिए असंभव नहीं है?

परमेश्वर के लिए कोई भी वचन असंभव नहीं है अर्थात् परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं है ।

लूका 1:41

जब मरियम ने एलीशिबा को नमस्कार किया, तो एलीशिबा के बच्चे ने क्या किया ?

बच्चा उसके पेट में उछला।

लूका 1:42

एलीशिबा ने किसे धन्य कहा था?

एलीशिबा ने कहा कि मरियम और उसके पेट का फल अर्थात् उसका बच्चा धन्य हैं।

लूका 1:54

परमेश्वर ने अपने सेवक इस्राएल को क्यों संभाल लिया?

परमेश्वर ने अपनी दया को स्मरण किया।

लूका 1:59

खतने के दिन, आमतौर पर वे एलिशिबा के पुत्र का क्या नाम रखते?

आमतौर पर, वे उसका नाम उसके पिता के नाम पर जकर्याह रखते।

लूका 1:63

जब पूछा गया कि बालक का नाम क्या होना चाहिए, तो जकर्याह ने क्या लिखा?

जकर्याह ने लिख दिया "उसका नाम यूहन्ना है"।

लूका 1:64

बालक का नाम लिखने के तुरंत बाद जकर्याह के साथ क्या हुआ?

बालक का नाम लिखने के तुरंत बाद, जकर्याह बोलने और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।

लूका 1:66

इन सभी घटनाओं के कारण, हर किसी ने बालक के बारे में क्या विचार किया?

अपने-अपने मन में विचार करके कहा, प्रभु का हाथ उसके साथ था।

लूका 1:68

अब परमेश्वर ने क्या पूरा किया था जिसके कारण जकर्याह ने परमेश्वर को धन्य कहा?

परमेश्वर ने अब अपने लोगों का छुटकारा किया है।

लूका 1:77

जकर्याह ने क्या भविष्यवाणी की थी कि उसका पुत्र यूहन्ना लोगों को क्या जानने में सहायता करेगा?

यूहन्ना लोगों को यह जानने में मदद करेगा कि उन्हें उनके पापों की क्षमा के द्वारा कैसे उद्धार प्राप्त होता है।

लूका 1:80

यूहन्ना कहाँ बढ़ा और सार्वजनिक रूप से प्रकट होने के दिन तक कहाँ रहा?

यूहन्ना बढ़ता गया और प्रगट होने के दिन तक जंगलों में रहा।

लूका 2:3

सब लोग गणना के लिए नाम लिखवाने के लिए कहाँ गए थे?

सब लोग गणना के लिए नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने नगर को गए।

लूका 2:4

यूसुफ मरियम के साथ नाम लिखवाने के लिए बैतलहम क्यों गया?

यूसुफ और मरियम बैतलहम गए क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था।

लूका 2:7

जब मरियम ने अपने पुत्र को जना, तो उसने उसे कहाँ रखा?

जब बालक का जन्म हुआ, तो मरियम ने उसे कपड़े में लपेटकर चरनी में रखा।

लूका 2:8

उस रात गड़ेरिये क्या कर रहे थे?

रात को मैदानों में रहकर अपने झुण्ड का पहरा दे रहे थे।

लूका 2:9

जब गड़ेरियों ने स्वर्गदूत को देखा तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

गड़ेरिये बहुत डर गए।

लूका 2:11

स्वर्गदूत ने गड़ेरिये को कौन सा सुसमाचार दिया?

स्वर्गदूत ने गड़ेरियों से कहा कि एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और वही मसीह प्रभु है।।

लूका 2:15

स्वर्गदूतों के जाने के बाद गड़ेरियों ने क्या करने का निश्चय किया?

गड़रियों ने बैतलहम जाने का निर्णय लिया ताकि वे उस बालक को देख सकें जो जन्मा है अर्थात् जिसे प्रभु ने उन्हें बताया है।

लूका 2:16

गड़ेरियों ने बैतलहम में क्या देखा?

गड़ेरियों ने मरियम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा।

लूका 2:21

यीशु का खतना कब हुआ?

जब आठ दिन पुरे हुए तो यीशु का खतना किया गया।

लूका 2:22

यूसुफ और मरियम बालक यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में क्यों लाए?

यूसुफ और मरियम उसे यरूशलेम में ले गए, कि प्रभु के सामने लाएँ और मूसा की व्यवस्था के अनुसार बलिदान चढ़ाएँ।

लूका 2:26

पवित्र आत्मा ने शमौन को क्या प्रकट किया?

पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट हुआ, कि जब तक शमौन प्रभु के मसीह को देख न लेगा, तब तक मृत्यु को न देखेगा।

लूका 2:32

शमौन ने यीशु को अन्यजातियों और निज लोग इस्राएल के लिए क्या होने के लिए कहा?

शमौन ने कहा कि यीशु अन्यजातियों को सत्य प्रकट करने के लिए एक ज्योति होगा और परमेश्वर के निज लोग, इस्राएल के लिए महिमा।

लूका 2:35

शमौन ने यीशु के कारण मरियम के साथ क्या घटित होने के लिए कहा?

शमौन ने कहा कि उसका प्राण भी तलवार से आर-पार छिद जाएगा।

लूका 2:38

जब भविष्यद्वक्तिन हन्नाह मरियम, यूसुफ, और यीशु के पास आईं, तब उसने क्या किया?

हन्नाह परमेश्वर का धन्यवाद करने लगी और उन सभी से उसके विषय में बातें करने लगी अर्थात् बालक के विषय में।

लूका 2:40

नासरत लौटने के बाद बालक यीशु के साथ क्या हुआ?

यीशु बढ़ता और बलवन्त होता, और बुद्धि से परिपूर्ण होता गया और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।

लूका 2:44

यीशु के माता-पिता यह क्यों नहीं जान पाए कि वह फसह के पर्व के दौरान यरूशलेम में ही रह गया?

वे नहीं जान पाए क्योंकि उन्होंने यह समझा कि वह यात्रियों के साथ होगा।

लूका 2:46

यीशु के माता-पिता ने उसको कहाँ पाया और वह क्या कर रहा था?

उसके माता-पिता ने उसे मंदिर में उपदेशकों के बीच में बैठे, उनकी सुनते और उनसे प्रश्न करते हुए पाया।

लूका 2:49

जब मरियम ने यीशु से कहा कि वे चिंतित होकर उसे ढूंढ रहे थे, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?

"क्या नहीं जानते थे, कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्य है?"

लूका 2:51

जब वे नासरत लौटे तो यीशु का उसके माता-पिता के प्रति व्यवहार कैसा था?

वह उनके वश में रहा।

लूका 2:52

जब यीशु बढ़ रहा था तो, वह किस प्रकार का युवा पुरुष था?

वह बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।

लूका 3:3

यूहन्ना ने यरदन के आसपास के सारे प्रदेश में क्या संदेश प्रचार किया?

यूहन्ना ने पापों की क्षमा के लिए मन फिराव के बपतिस्मा का प्रचार किया।

लूका 3:4

यूहन्ना ने किसका मार्ग तैयार करने के लिए कहा?

यूहन्ना ने कहा कि वह प्रभु का मार्ग तैयार कर रहा था।

लूका 3:8

यूहन्ना ने लोगों को इस बात पर भरोसा करने के बजाय कि उनका पिता अब्राहम है, क्या करने को कहा?

यूहन्ना ने उनसे कहा कि मन फिराव के योग्य फल लाओ।

लूका 3:9

जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता उसके साथ क्या होता है, इस बारे में यूहन्ना ने क्या कहा?

यूहन्ना ने कहा कि वह काटा और आग में झोंका जाता है।

लूका 3:13

यूहन्ना ने चुंगी लेने वालों से सच्चे मन फिराव को प्रगट करने के लिए क्या करने को कहा?

यूहन्ना ने उनसे कहा कि उनके लिए ठहराया गया है, उससे अधिक न लेना।

लूका 3:16

यूहन्ना ने लोगों से कहा कि वह पानी से बपतिस्मा देता है। कोई आने वाला है जो किससे बपतिस्मा देगा?

यूहन्ना ने कहा कि कोई आनेवाला है जो पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

लूका 3:19

यूहन्ना ने हेरोदेस को उलाहना क्यों दिया?

यूहन्ना ने हेरोदेस को उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास से विवाह और सब कुकर्मों के विषय में जो उसने किए थे, उलाहना दिया।

लूका 3:20

किसने यूहन्ना को बंदीगृह में डाल दिया?

हेरोदेस ने यूहन्ना को बंदीगृह में डाल दिया।

लूका 3:21

यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के तुरंत बाद क्या हुआ?

यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के बाद, आकाश खुल गया।

लूका 3:22

यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के बाद स्वर्ग से कौन उतरा?

पवित्र आत्मा कबूतर के समान यीशु पर उतरा।

लूका 3:22 (#2)

आकाशवाणी ने क्या कहा?

आकाशवाणी ने कहा, "तू मेरा प्रिय पुत्र है, मैं तुझ से प्रसन्न हूँ।"

लूका 3:23

जब यीशु उपदेश करने लगा तब वह लगभग कितनी आयु का था?

जब यीशु उपदेश करने लगा, तो लगभग तीस वर्ष की आयु का था।

लूका 4:1

किसने यीशु की जंगल में अगुआई की?

पवित्र आत्मा ने यीशु की जंगल में अगुआई की।

लूका 4:2

कितने दिन तक शैतान जंगल में उसकी परीक्षा करता रहा?

चालीस दिन तक शैतान जंगल में उसकी परीक्षा करता रहा।

लूका 4:3

शैतान ने यीशु को ज़मीन पर पड़े पत्थरों के साथ क्या करने की चुनौती दी?

शैतान ने यीशु से कहा कि इन पत्थरों से कह, कि रोटी बन जाए।

लूका 4:4

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कहा कि यह लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी से जीवित न रहेगा।

लूका 4:5

शैतान ने यीशु को ऊँचे स्थान से क्या दिखाया था?

शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य दिखाए।

लूका 4:7

शैतान यीशु से क्या करवाना चाहता था?

शैतान चाहता था कि यीशु उसे प्रणाम करे।

लूका 4:8

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?

यीशु ने उसे उत्तर दिया कि लिखा है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर और केवल उसी की उपासना कर।

लूका 4:9

जब शैतान ने यीशु को मंदिर के कंगूरे पर खड़ा किया, तब उसने यीशु से क्या करने के लिए कहा?

उसने यीशु से कहा कि अपने आपको यहाँ से नीचे गिरा दे।

लूका 4:12

यीशु ने शैतान को क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कहा कि लिखा है कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।

लूका 4:13

जब यीशु ने मन्दिर से नीचे गिरने का इनकार कर दिया, तब शैतान ने क्या किया?

शैतान कुछ समय के लिए यीशु के पास से चला गया।

लूका 4:17

जब यीशु आराधनालय में खड़ा हुआ तो उसने पवित्रशास्त्र की कौन सी पुस्तक पढ़ी?

यीशु ने यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ा।

Luke 4:21

यीशु ने क्या कहा जो उस दिन पूरा हो रहा था?

यीशु ने कहा कि जो लेख यशायाह से उसने अभी पढ़ा था, वह आज ही पूरा हुआ।

Luke 4:24

यीशु ने भविष्यद्वक्ता को अपने देश में किस प्रकार का व्यवहार मिलने की बात कही है?

यीशु ने कहा कि कोई भविष्यद्वक्ता अपने देश में मान-सम्मान नहीं पाता।

लूका 4:26

यीशु ने आराधनालय में लोगों को जो पहला उदाहरण दिया, उसमें परमेश्वर ने एलिय्याह को किसी की मदद करने के लिए कहाँ भेजा था?

परमेश्वर ने एलिय्याह को सीदोन के सारफत में एक विधवा स्त्री की सहायता के लिए भेजा।

लूका 4:27

यीशु ने आराधनालय में लोगों को जो दूसरा उदाहरण दिया, उसमें परमेश्वर ने एलीशा को जिस व्यक्ति की सहायता करने के लिए कहा, वह किस देश से था?

परमेश्वर ने एलीशा से सीरिया वासी नामान की सहायता के लिए कहा।

लूका 4:28

जब आराधनालय में लोगों ने यीशु से ये उदाहरण सुने, तो उनकी प्रतिक्रिया कैसी थी?

वे सब क्रोध से भर गए।

लूका 4:29

आराधनालय में लोगों ने यीशु को मारने का प्रयास कैसे किया?

उन्होंने उसे उस चोटी से नीचे गिराने की योजना बनाई जिस पर उनका नगर बसा हुआ था।

लूका 4:30

यीशु आराधनालय के लोगों द्वारा मारे जाने से कैसे बच गया?

यीशु उनके बीच में से निकलकर चला गया।

लूका 4:34

आराधनालय में, उस मनुष्य के माध्यम से बोलने वाली दुष्टात्मा यीशु के बारे में क्या जानती थी?

दुष्टात्मा ने कहा कि वह जानता है कि यीशु परमेश्वर का पवित्र जन है।

लूका 4:36

यीशु द्वारा दुष्टात्मा को निकालने के बाद लोगों की कैसी प्रतिक्रिया थी?

लोग अचंभित हुए और इसके बारे में आपस में बातें करने लगे।

लूका 4:40

यीशु ने उसके पास लाए गए बीमारों के लिए क्या किया?

यीशु ने उनमें से एक-एक पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।

लूका 4:41

जब दुष्टात्माओं को बाहर निकाला गया, तो उन्होंने क्या कहा और क्यों यीशु ने उन्हें बोलने नहीं देता?

दुष्टात्मा कहती कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, और यीशु उन्हें बोलने नहीं देता था, क्योंकि वे जानती थी, कि वह मसीह है।

लूका 4:43

यीशु ने उसे भेजे जाने का क्या कारण बताया?

यीशु ने कहा कि उसे और नगरों में भी परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा गया है।

लूका 5:4

लोगों को सिखाने के लिए शमौन की नाव का इस्तेमाल करने के बाद, यीशु ने शमौन से अपनी नाव के साथ क्या करने को कहा?

नाव को गहरे पानी में ले चल और मछलियाँ पकड़ने के लिए अपने जाल को पानी में डालें।

लूका 5:5

यद्यपि पतरस को पिछली रात कुछ भी नहीं मिला था, फिर भी उसने क्या किया?

उसके कहने से उसने जाल डाला।

लूका 5:6

जब उन्होंने जाल नीचे डाला, तब क्या हुआ?

वे बहुत मछलियाँ घेर लाए, और उनके जाल फटने लगे।

लूका 5:8

फिर शमौन यीशु से क्या करवाना चाहता था? क्यों?

शमौन चाहता था कि यीशु उसके पास से चला जाए क्योंकि शमौन जानता था कि वह (शमौन) एक पापी मनुष्य था।

लूका 5:10

यीशु ने शमौन से उसके भविष्य के कार्य के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि अब से शमौन मनुष्यों को पकड़ने का कार्य करेगा।

लूका 5:15

इस समय, कौन यीशु की शिक्षा सुनने और अपनी बीमारियों से चंगे होने के लिए आ रहे थे?

एक बड़ी भीड़ यीशु के पास इकट्ठी हो रही थी।

लूका 5:20

यीशु ने उस लकवाग्रस्त व्यक्ति से क्या कहा, जिसे कई लोगों ने छत से नीचे उतारा?

यीशु ने उससे कहा कि उसके पाप क्षमा हुए।

लूका 5:21

शास्त्री और फरीसी ने क्यों सोचा कि यह कथन परमेश्वर की निंदा करता है?

उन्होंने कहा कि यीशु के वचन परमेश्वर की निंदा करते हैं क्योंकि केवल परमेश्वर ही पापों की क्षमा कर सकता है।

लूका 5:24

जब यीशु ने लकवे के रोगी को इस तरह चंगा किया, तो उसने पृथ्वी पर अपने किस अधिकार को दिखाया जो उसके पास है?

यीशु ने उस रोगी को चंगा किया ताकि वे जान लें कि उसको पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का अधिकार है।

लूका 5:32

जब यीशु लेवी के घर पर भोजन कर रहा था, तो यीशु ने क्या कहा कि वह करने आया है?

वह पापियों को मन फिराने के लिए बुलाने आया है।

लूका 5:35

यीशु ने कब कहा कि उसके शिष्य उपवास करेंगे?

यीशु ने कहा कि उसके शिष्य उन दिनों में उपवास करेंगे जब दूल्हा अर्थात् यीशु उनसे अलग किया जाएगा।

लूका 5:36

यीशु के दृष्टांत में, जब कोई नये वस्त्र में से फाड़कर पुराने वस्त्र में पैबन्द लगाएगा तो क्या होगा?

नया फट जाएगा, और पुराने के साथ वह टुकड़ा मेल नहीं खाएगा जो नए से है।

लूका 5:37

यीशु के दूसरे दृष्टान्त में, यदि नया दाखरस पुरानी मशकों में भरता है तो क्या होगा?

ए. नया दाखरस मशकों को फाड़कर बह जाएगा, और मशकें भी नाश हो जाएँगी

लूका 5:38

यीशु ने नए दाखरस को सही तरीके से रखने के लिए क्या करने के लिए कहा है?

नया दाखरस नई मशकों में भरना चाहिए।

लूका 6:1

यीशु के चेले सब्त के दिन क्या कर रहे थे जिसे फरीसियों ने व्यवस्था के विरुद्ध बताया?

वे बालें तोड़-तोड़कर, और हाथों से मल-मलकर खाते जाते थे।

लूका 6:5

यीशु ने अपने लिए कौन से शीर्षक का दावा किया जिससे उसे यह कहने का अधिकार मिला कि सब्त के दिन क्या करना उचित है?

यीशु ने यह दावा किया कि वह सब्त के दिन का भी प्रभु है।

लूका 6:11

जब यीशु ने सब्त के दिन सूखे हाथ वाले व्यक्ति को ठीक किया, तो शास्त्रियों और फरीसियों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

वे आपे से बाहर होकर आपस में विवाद करने लगे कि हम यीशु के साथ क्या करें

लूका 6:13

यीशु ने पहाड़ पर चुने गए 12 पुरुषों को क्या उपाधि दी?

यीशु ने उनको "प्रेरित" कहा।

लूका 6:20

यीशु ने किस प्रकार के लोगों को धन्य कहा?

जो दीन हैं, वे धन्य हैं।

लूका 6:21

यीशु ने किस प्रकार के लोगों को धन्य कहा है?

जो रोते हैं, वे धन्य हैं।

लूका 6:22

यीशु ने किस प्रकार के लोगों को धन्य कहा है?

जिनसे लोग मनुष्य के पुत्र के कारण बैर करते हैं, निंदा करते हैं, और उनका नाम बुरा जानकार काट देते हैं, वे धन्य हैं।

लूका 6:23

यीशु के अनुसार, ऐसे लोगों को क्यों आनन्दित होकर आनंद से उछलना चाहिए?

उन्हें आनंदित होकर उछलना चाहिए क्योंकि उनके लिए स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है।

लूका 6:27

यीशु ने अपने सुननेवालों से अपने शत्रुओं से और बैर करने वालों से कैसा व्यवहार करने के लिए कहा है?

उन्हें अपने शत्रुओं से प्रेम रखना चाहिए और जो उनसे बैर करें उनका भला करना चाहिए।

लूका 6:35

अकृतज्ञ और दुष्ट लोगों के प्रति परमप्रधान पिता का दृष्टिकोण क्या है?

वह उनके प्रति दयालु और कृपालु हैं।

लूका 6:42

अपने भाई की आँख से तिनका निकालने से पहले, यीशु ने क्या करने के लिए कहा?

सबसे पहले, हमें अपनी ही आँख से लट्ठा निकलना चाहिए ताकि हम भली भाँति देखकर अपने भाई की आँख से तिनका निकाल सकें।

लूका 6:45

भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से क्या बाहर निकालता है?

भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है।

लूका 6:45 (#2)

एक बुरा मनुष्य क्या निकालता है?

एक बुरा मनुष्य बुरी बातें निकालता है।

लूका 6:47

जो व्यक्ति यीशु की बातें सुनकर उन्हें मानता है, उसे यीशु ने किसके समान बताया है?

वह उस मनुष्य के समान है जिसने चट्टान में नींव डाली, जिससे बाढ़ उसका घर हिला न सकी, क्योंकि वह पक्का बना था।

लूका 6:49

वह मनुष्य किसके समान है जो यीशु के वचन सुनकर नहीं मानता?

वह उस मनुष्य के समान है, जिसने बिना नींव का घर बनाया, और जब उस पर धारा लगी तो वह तुरंत गिर पड़ा।

लूका 7:3

जब सूबेदार ने यहूदियों के प्राचीनों को यीशु के पास भेजा, तो उसने सबसे पहले क्या विनती की?

उसने यीशु से विनती की कि आकर उसके दास को चंगा कर।

लूका 7:6

फिर सूबेदार ने अपने मित्रों के द्वारा यीशु से क्यों कहला भेजा कि उसे घर तक आने की ज़रूरत नहीं है?

सूबेदार ने कहा कि वह योग्य नहीं कि यीशु उसकी छत के तले आए अर्थात् उसके घर आए।

लूका 7:7

सूबेदार किस प्रकार चाहता था कि यीशु उसके दास को चंगा करे?

फिर सूबेदार ने चाहा कि यीशु केवल वचन ही कह दे तो सेवक चंगा हो जाएगा।

लूका 7:9

यीशु ने सूबेदार के विश्वास के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि उसने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया अर्थात् ऐसा विश्वास करने वाला।

लूका 7:13

उस विधवा स्त्री के प्रति यीशु का क्या दृष्टिकोण था, जिसका एकलौता पुत्र मर गया था?

उसको तरस आया।

लूका 7:16

जब यीशु ने विधवा के पुत्र को मरे हुओं में से ज़िंदा किया, तो लोगों ने उसके बारे में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि उनके बीच में एक बड़ा भविष्यद्वक्ता उठा है, और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपादृष्टि की है।

लूका 7:22

यीशु ने यूहन्ना के शिष्यों को कैसे दिखाया कि वह ही है जो आने वाला था?

यीशु ने अंधे, लँगड़े, कोढ़ियों और बहरों को चंगा किया और मृतकों को जीवित किया।

लूका 7:26

यीशु ने यूहन्ना के विषय में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि यूहन्ना भविष्यद्वक्ता से भी बड़ा था।

लूका 7:30

फरीसियों और व्यवस्थापकों ने उससे बपतिस्मा न लेकर अपने विषय में क्या किया?

उन्होंने परमेश्वर की मनसा को अपने विषय में टाल दिया।

लूका 7:33

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले पर क्या आरोप लगाया क्योंकि वह न रोटी खाता आया, न दाखरस पिता आया?

उन्होंने कहा, "उसमें दुष्टात्मा है।"

लूका 7:34

यीशु पर क्या आरोप लगाया गया क्योंकि वह खाता-पीता आया था?

उन्होंने कहा, वह एक "पेटू और पियक्कड़ मनुष्य" है।

लूका 7:38

नगर की महिला ने फरीसी के घर में यीशु के साथ क्या किया?

वह उसके पाँवों को आँसुओं से भिगाने और अपने सिर के बालों से पोंछने लगी और उसके पाँव बार बार चूमकर उन पर इत्र मला।

लूका 7:47

यीशु ने उस महिला के बहुत प्रेम करने का कारण क्या बताया?

उसने बहुत प्रेम किया क्योंकि उसके पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए।

लूका 7:49

जब यीशु ने उस महिला से कहा कि उसके पाप क्षमा हुए, तो जो लोग उसके साथ भोजन करने बैठे थे, उन्होंने कैसी प्रतिक्रिया दी?

उन्होंने पूछा, "यह कौन है जो पापों को भी क्षमा करता है?"

लूका 8:3

बहुत सी स्त्रियों ने यीशु और उसके शिष्यों के लिए क्या किया?

वे अपनी सम्पत्ति से उनकी सेवा करती थीं।

लूका 8:11

यीशु के दृष्टान्त में, बोया गया बीज क्या है?

बीज परमेश्वर का वचन है।

लूका 8:12

वे बीज कौन हैं जो मार्ग के किनारे के हैं, और उनके साथ क्या होता है?

वे लोग, जिन्होंने वचन सुना; तब शैतान आकर उनके मन में से वचन उठा ले जाता है, ताकि वे विश्वास न करें और उद्धार न पाएँ।

लूका 8:13

चट्टान पर गिरने वाले बीज कौन हैं और उनका क्या होता है?

वे लोग जो आनंद से वचन को ग्रहण करते हैं, लेकिन परीक्षा के समय बहक जाते हैं।

लूका 8:14

जो झाड़ियों में गिरने वाले बीज कौन हैं, और उनका क्या होता है?

वे लोग जो वचन सुनते हैं, पर आगे चलकर चिन्ता और धन और जीवन के सुख-विलास में फँस जाते हैं, और उनका फल नहीं पकता।

लूका 8:15

अच्छी भूमि पर गिरने वाले बीज कौन हैं, और उनके साथ क्या होता है?

ये वे लोग हैं जो वचन सुनकर मन में सम्भाले रहते हैं, और धीरज से फल लाते हैं।

लूका 8:21

यीशु ने अपनी माता और भाई किसे कहा है?

यीशु ने कहा कि जो लोग परमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं, वे ही उसकी माता और भाई हैं।

लूका 8:25

जब यीशु ने आँधी और पानी को शांत किया, तो चेलों ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, "यह कौन है, जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते हैं?"

लूका 8:29

दुष्टात्माओं ने गिरासेनियों के देश में मनुष्य से क्या करवाया ?

उन्होंने उसे कब्रों में बिना कपड़ों के रहने के लिए मजबूर किया, उन्होंने उसे जंजीरों और बेड़ियों को तोड़ने के लिए विवश किया, और वे अक्सर उसे जंगल में भगाए फिरती थी।

लूका 8:33

जब यीशु ने दुष्टात्माओं को उस मनुष्य में से निकलने की आज्ञा दी तो वे कहाँ चली गई?

दुष्टात्माएँ सूअरों के झुण्ड में समा गई, जो झील में जा गिरा और डूब मरा।

लूका 8:39

यीशु ने उस मनुष्य से जाकर क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने उससे कहा, अपने घर में लौट जा और कह दे, कि परमेश्वर ने उसके लिए कैसे बड़े-बड़े काम किए हैं।

लूका 8:48

यीशु के अनुसार, लहू बहने की रोगी महिला किस कारण से चंगी हुई?

यीशु में विश्वास के कारण वह चंगी हुई।

लूका 8:55

यीशु ने याईर के घर पर क्या किया?

यीशु ने याईर की बेटी को मृतकों में से जीवित किया।

लूका 9:2

यीशु ने बारहों को क्या करने के लिए भेजा?

यीशु ने उन्हें परमेश्वर के राज्य का प्रचार करने, और बीमारों को अच्छा करने के लिए भेजा।

लूका 9:7

हेरोदेस यह सब सुनकर घबरा क्यों गया?

वह घबरा गया, क्योंकि कितनों ने कहा, कि यूहन्ना मरे हुओं में से जी उठा है।

लूका 9:8

जो कुछ हो रहा था, उसके पीछे लोगों ने किसे कारण माना?

कितनों ने यह कि एलिय्याह दिखाई दिया है, औरों ने यह कि पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से कोई जी उठा है।

लूका 9:13

भीड़ को खिलाने के लिए चेलों के पास क्या भोजन उपलब्ध था?

उनके पास पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ थीं।

लूका 9:14

सुनसान जगह में यीशु के पीछे हो लेने वाली भीड़ में कितने पुरुष थे?

भीड़ में लगभग 5000 पुरुष थे।

लूका 9:16

यीशु ने पाँच रोटियों और दो मछलियों के साथ क्या किया?

उसने स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और तोड़-तोड़कर चेलों को देता गया कि लोगों को परोसें।

लूका 9:17

बचे हुए टुकड़ों से कितनी टोकरियाँ उठाई?

बचे हुए टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भरकर उठाई।

लूका 9:20

जब यीशु ने चेलों से पूछा कि वह कौन है, तो पतरस ने क्या उत्तर दिया?

उसने उत्तर दिया, “परमेश्वर का मसीह।”

लूका 9:23

यीशु ने कहा कि यदि कोई उसके पीछे आना चाहे, तो उसे क्या करना चाहिए?

वह अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए यीशु के पीछे हो ले।

लूका 9:29

पहाड़ पर यीशु के रूप में क्या परिवर्तन हुआ?

उसके चेहरे का रूप बदल गया, और उसका वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगा।

लूका 9:30

यीशु के साथ कौन प्रकट हुए?

मूसा और एलिय्याह उसके साथ बातें कर रहे थे अर्थात् यीशु के साथ प्रकट हुए।

लूका 9:35

उन पर छाए बादल से क्या शब्द निकले?

शब्द निकला, “यह मेरा पुत्र और मेरा चुना हुआ है, इसकी सुनो।”

लूका 9:39

यीशु द्वारा दुष्टात्मा को निकालने से पहले, दुष्टात्मा उस मनुष्य के पुत्र से क्या करवाती है?

दुष्टात्मा के कारण वह एकाएक चिल्ला उठता है; और वह उसे ऐसा मरोड़ती है, कि वह मुँह में फेन भर लाता है

लूका 9:44

यीशु ने चेलों से क्या कहा, जिस बात को वे न समझते थे?

उसने कहा, "मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाने को है।”

लूका 9:48

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह सबसे बड़ा है?

उनमें सबसे छोटे से छोटा है, वही बड़ा है।

लूका 9:51

जब उसके ऊपर उठाए जाने के दिन पूरे होने पर थे, तो उसने क्या किया?

उसने यरूशलेम जाने का विचार दृढ़ किया।

लूका 9:62

परमेश्वर के राज्य के योग्य होने के लिए, एक व्यक्ति को "अपना हाथ हल पर रखकर" क्या नहीं करना चाहिए।

उस व्यक्ति को पीछे नहीं देखना चाहिए।

लूका 10:4

यीशु ने 70 मनुष्यों से क्या न लेने के लिए कहा था?

उसने उन्हें बटुआ, झोली, जूते न लेने के लिए कहा।

लूका 10:9

यीशु ने 70 मनुष्यों को प्रत्येक नगर में क्या करने के लिए कहा?

उसने उनसे कहा बीमारों को चंगा करो: और उनसे कहो, "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुँचा है"।

लूका 10:12

यीशु द्वारा भेजे गए मनुष्यों को यदि नगर के लोग ग्रहण न करें तो उस नगर की दशा कैसी होगी?

उस नगर की दशा से सदोम की दशा अधिक सहने योग्य होगी।

लूका 10:20

जब वे सत्तर आनन्द से फिर आकर कहने लगे, कि वे दुष्टात्मा को भी वश में कर सके तो यीशु ने क्या कहा?

उसने कहा, "आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं"।

लूका 10:21

यीशु ने किसके लिए कहा है कि इन बातों को प्रगट करना पिता को अच्छा लगा?

पिता को यह अच्छा लगा कि परमेश्वर की बातों को बालकों पर प्रगट किया अर्थात् जो शिक्षित नहीं हैं।

लूका 10:27

यीशु के अनुसार, अनंत जीवन का वारिस होने के लिए यहूदी व्यवस्था में क्या लिखा है?

तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम रख।

लूका 10:31

यीशु के दृष्टान्त में, यहूदी याजक ने मार्ग में अधमरे मनुष्य को देखकर क्या किया?

वह देखकर कतराकर चला गया।

लूका 10:32

लेवी ने उस मनुष्य को देखकर क्या किया?

वह उसे देखकर कतराकर चला गया।

लूका 10:34

सामरी ने उस मनुष्य को देखकर क्या किया?

उसने उसके घावों पर पट्टियाँ बाँधी, अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया, और उसकी सेवा टहल की।

लूका 10:37

दृष्टान्त बताने के बाद, यीशु ने यहूदी व्यवस्थापक से जाकर क्या करने के लिए कहा?

जा तू भी ऐसा ही कर अर्थात् दृष्टांत में बताए गए सामरी की तरह तरस खा।

लूका 10:39

उसी समय मरियम क्या करती थी?

वह प्रभु के पाँवों के पास बैठकर उसका वचन सुनती थी।

लूका 10:40

जब यीशु उसके घर आया तो मार्था ने कैसा व्यवहार किया?

वह सेवा करते-करते घबरा गई।

लूका 10:42

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उसने उत्तम भाग को चुन लिया है?

उसने कहा कि उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है, जो उससे छिना न जाएगा।

लूका 11:3

यीशु अपने चेलों से पिता का नाम क्या होने के लिए प्रार्थना करवाना चाहता था?

वह चाहता था कि वे प्रार्थना करें कि पिता का नाम पवित्र माना जाए।

लूका 11:4

जब हम परमेश्वर से अपने पापों की क्षमा मांगते हैं, तो हमें अपने अपराधियों के प्रति क्या करना चाहिए?

हमें अपने हर एक अपराधी को क्षमा करना चाहिए जैसे परमेश्वर ने हमें क्षमा किया है।

लूका 11:8

यीशु के दृष्टान्त में, वह पुरुष आधी रात को उठकर अपने मित्र को रोटी क्यों देता है?

उसके लज्जा छोड़कर माँगने के कारण।

लूका 11:13

स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को क्या देगा?

वह उनको पवित्र आत्मा देगा।

लूका 11:15

जब उन्होंने यीशु को दुष्टात्माओं को निकालते देखा, तो उनमें से कितनों ने क्या आरोप लगाया?

उन्होंने उस पर आरोप लगाया कि वह दुष्टात्माओं के प्रधान शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है।

लूका 11:20

यीशु ने किसकी सामर्थ्य से दुष्टात्माओं को बाहर निकालने का उत्तर दिया?

उसने कहा कि वह परमेश्वर की सामर्थ्य से दुष्टात्माओं को निकालता है।

लूका 11:26

यदि एक अशुद्ध आत्मा किसी मनुष्य में से निकल जाती है और बाद में फिर लौट आती है तो उस मनुष्य की पिछली दशा कैसी हो जाती है?

उस मनुष्य की पिछली दशा पहले से भी बुरी हो जाती है।

लूका 11:28

जब किसी स्त्री ने ऊँचे शब्द से यीशु की माता को धन्य कहा, तो यीशु ने किसे धन्य कहा?

धन्य वे हैं, जो परमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं।

लूका 11:32

यीशु पुराने नियम के किन दो पुरुषों से बड़ा है?

वह सुलैमान और योना से बड़ा है।

लूका 11:39

यीशु ने फरीसियों को भीतर किससे भरे हुए बताया?

उसने कहा कि उनके भीतर अंधेर और दुष्टता भरी है।

लूका 11:42

यीशु ने कहा कि फरीसी क्या टाल देते हैं?

वे न्याय और परमेश्वर के प्रेम को टाल देते हैं।

लूका 11:46

यीशु ने व्यवस्थापकों द्वारा दूसरों के साथ क्या करने की बात कही है?

वे ऐसे बोझ जिनको उठाना कठिन है, मनुष्यों पर लाद रहे थे, परन्तु आप उन बोझों को छूते भी नहीं।

लूका 11:50

यीशु ने इस युग के लोगों से किस बात का लेखा लिए जाने के लिए कहा है?

जितने भविष्यद्वक्ताओं का लहू जगत की उत्पत्ति से बहाया गया है, सब का लेखा इस युग के लोगों से लिया जाए।

लूका 11:54

यीशु के वचन सुनने के बाद शास्त्रियों और फरीसियों ने क्या किया?

वे उसकी घात में लगे रहे, कि उसके मुँह की कोई बात पकड़ें।

लूका 12:3

यीशु के अनुसार, जो कुछ भी आप ने अंधेरे में कहा उसका क्या होगा?

वह उजाले में सुना जाएगा।

लूका 12:5

यीशु ने आपको किससे डरने के लिए कहा है?

आपको उससे डरना चाहिए, जिसे हमें मारने के बाद जिसको नरक में डालने का अधिकार है।

लूका 12:8

जो कोई मनुष्यों के सामने यीशु को मान लेगा, उसके लिए यीशु क्या करेगा?

उसे मनुष्य का पुत्र अर्थात् यीशु भी परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने मान लेगा।

लूका 12:15

यीशु के अनुसार, हमारा जीवन किससे नहीं होता है?

हमारा जीवन हमारी संपत्ति के बहुतायत से नहीं होता।

लूका 12:18

यीशु के दृष्टान्त में, धनवान अपनी भूमि में बड़ी उपज होने के कारण क्या विचार करने लगा?

वह अपनी बखारियाँ तोड़कर उनसे बड़ी बनाएगा और वहाँ अपना सब अन्न और संपत्ति रखेगा।

लूका 12:19

धनवान अपने प्राण से क्या कहेगा चूँकि उसके पास बहुत संपत्ति रखी है?

वह अपने प्राण से कहेगा कि चैन कर, खा, पी, सुख से रह।

लूका 12:20

परमेश्वर ने धनवान से क्या कहा?

उसने कहा, "हे मूर्ख! इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा; तब जो कुछ तूने इकट्ठा किया है, वह किसका होगा?"

लूका 12:31

जीवन की चिंता करने के बजाय यीशु ने क्या करने के लिए कहा है?

हमें उसके राज्य अर्थात् परमेश्वर के राज्य की खोज करनी चाहिए।

लूका 12:33

यीशु ने कहा कि हमारा धन कहाँ इकठ्ठा होना चाहिए?

हमारा धन स्वर्ग पर इकठ्ठा होना चाहिए।

लूका 12:37

यीशु के अनुसार, परमेश्वर के कौन से दास धन्य हैं?

वे दास धन्य हैं जिन्हें स्वामी अर्थात् यीशु आकर जागते पाए।

लूका 12:40

क्या हम जानते हैं कि यीशु किस घड़ी आएगा?

नहीं, जिस घड़ी हम सोचते भी नहीं, उस घड़ी वह आ जाएगा।

लूका 12:46

उस दास का क्या होगा जो अन्य दासों का शोषण करता है और अपने स्वामी के आने पर तैयार न रहा?

स्वामी उसे दो भागों में काटकर अर्थात् भारी ताड़ना देकर उसका भाग विश्वासघाती के साथ ठहराएगा।

लूका 12:48

जिसे बहुत सौंपा गया है उससे क्या किया जाएगा?

उससे बहुत लिया जाएगा।

लूका 12:52

यीशु के अनुसार, वह पृथ्वी पर किस प्रकार से अलग कराने आया है?

अब से एक घर में पाँच जन आपस में विरोध रखेंगे।

लूका 12:58

यीशु के अनुसार, अपने मुद्दई के साथ न्यायाधीश के पास जाने से पहले हमें क्या करना चाहिए?

हमें मार्ग ही में उससे छूटने का यत्न कर लेना चाहिए।

लूका 13:3

क्या पिलातुस द्वारा मारे गए गलीली, बाकी गलीलियों से पापी थे कि उन पर ऐसी विपत्ति पड़ी?

नहीं, वे अधिक पापी नहीं थे।

लूका 13:8

यीशु के दृष्टान्त में, दास उस अंजीर के पेड़ के साथ क्या करना चाहता था, जो फल नहीं लाता था?

वह इसके चारों ओर खोदकर खाद डालना चाहता था ताकि आगे को फले।

लूका 13:9

यदि एक वर्ष तक अंजीर का पेड़, खाद डालने के बाद भी फल नहीं देगा तो दास उसके साथ क्या करेगा?

यदि यह आगे को न फले तो इसका स्वामी इसे काट डालेगा।

लूका 13:11

आराधनालय में, वह स्त्री किस कारण से अठारह वर्षों तक कुबड़ी हो गई?

एक दुर्बल करनेवाली दुष्टात्मा लगी थी, और वह कुबड़ी हो गई थी, और किसी रीति से सीधी नहीं हो सकती थी।

लूका 13:14

जब यीशु ने उस स्त्री को अच्छा किया तो आराधनालय का सरदार क्यों रिसियाने लगा?

वह रिसियाने लगा क्योंकि यीशु ने सब्त के दिन उसे अच्छा किया था।

लूका 13:15

यीशु ने कैसे दिखाया कि आराधनालय का सरदार कपटी था?

यीशु ने उसे याद दिलाया कि सब्त के दिन वह अपने जानवर अर्थात् बैल या गदहे को थान से खोलकर पानी पिलाने ले जाता है, फिर भी जब यीशु ने सब्त के दिन उस स्त्री को बंधन से छुड़ाया तो वह रिसियाने लगा।

लूका 13:19

परमेश्वर का राज्य कैसे राई के एक दाने के समान है?

परमेश्वर का राज्य एक दाने के समान बोया जाता है और वह बढ़कर पेड़ हो जाता है।

लूका 13:24

जब पूछा गया कि क्या उद्धार पानेवाले थोड़े हैं, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?

उसने कहा, "सकेत द्वार से प्रवेश करने का यत्न करो, क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि बहुत से प्रवेश करना चाहेंगे, और न कर सकेंगे"।

लूका 13:28

जो लोग बाहर निकाले हुए देखेंगे और परमेश्वर के राज्य में प्रवेश न कर सकेंगे, वे क्या करेंगे?

वे रोना और दाँत पीसना करेंगे।

लूका 13:28 (#2)

परमेश्वर के राज्य में कौन भागी होंगे?

अब्राहम और इसहाक और याकूब और सब भविष्यद्वक्ता परमेश्वर के राज्य में भागी होंगे।

लूका 13:33

यीशु ने कहाँ कहा कि एक भविष्यद्वक्ता मारा जाए?

हो नहीं सकता कि कोई भविष्यद्वक्ता यरूशलेम के बाहर मारा जाए।

लूका 13:34

यीशु ने यरूशलेम के बालकों के साथ क्या करना चाहा?

उसने चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकठ्ठा करती है, वैसे ही वह भी उसके बालकों को इकठ्ठा करें।

लूका 13:34 (#2)

यरूशलेम के लोगों ने यीशु की चाहत के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

उन्होंने यह न चाहा कि वे यीशु के साथ इकट्ठे हो।

लूका 13:35

यीशु ने यरूशलेम और उसके निवासियों के बारे में क्या भविष्यवाणी की?

उनका घर उनके लिए उजाड़ छोड़ा जाता है, और जब तक वे न कहेंगे "धन्य है वह, जो प्रभु के नाम से आता है", तब तक वे यीशु को फिर कभी न देखेंगे।

लूका 14:3

यीशु ने व्यवस्थापकों और फरीसियों से क्या पूछा?

उसने उनसे पूछा कि क्या सब्त के दिन अच्छा करना उचित है, कि नहीं?

लूका 14:4

व्यवस्थापकों और फरीसियों ने यीशु को क्या उत्तर दिया?

वे चुपचाप रहे।

लूका 14:5

यीशु ने कैसे दिखाया कि व्यवस्थापक और फरीसी पाखंडी थे?

यीशु ने उन्हें याद दिलाया कि वे सब्त के दिन अपने पुत्र या बैल को निकालेंगे यदि वह कुएँ में गिर जाए।

लूका 14:11

यीशु ने क्या कहा कि जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा, उसके साथ क्या किया जाएगा?

जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा।

लूका 14:11 (#2)

यीशु ने क्या कहा कि जो कोई अपने आपको छोटा बनाएगा उसके साथ क्या किया जाएगा?

जो कोई अपने आपको छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।

लूका 14:14

यीशु के अनुसार, जो व्यक्ति कंगालों, टुण्डों, लँगड़ों और अंधों को बुलाता है, उसे कैसे प्रतिफल मिलेगा?

उसे धर्मियों के जी उठने पर इसका प्रतिफल मिलेगा।।

लूका 14:18

यीशु के बड़े भोज के दृष्टान्त में, आमंत्रित लोगों ने क्या किया?

वे सब के सब बहाने करने लगे कि क्यों वे भोज में नहीं आ सकते।

लूका 14:21

फिर स्वामी ने अपने भोज के लिए किन्हें आमंत्रित किया?

उसने कंगालों, टुण्डों, लँगड़ों और अंधों को बुलाया।

लूका 14:24

फिर स्वामी ने उन लोगों के बारे में क्या कहा जिन्हें उसके भोज पर पहले आमंत्रित किया था?

उसने कहा कि उनमें से कोई भी उसके भोज को न चखेगा।

लूका 14:26

यीशु के अनुसार, कौन उसका चेला नहीं हो सकता?

जो अपने प्राण और परिवार को अप्रिय न जाने, तो वह उसका चेला नहीं हो सकता।

लूका 14:27

यीशु के अनुसार, उनके चेलों को और क्या करना चाहिए?

प्रत्येक चेले को अपना क्रूस उठाना चाहिए और उसका चेला बनने के लिए यीशु के पीछे आना चाहिए।

लूका 14:28

यीशु के उदाहरण में, यीशु के पीछे चलने के लिए क्या ज़रूरी है और जो गढ़ बनाना चाहता हो, उसे पहले क्या करना चाहिए?

उस व्यक्ति को खर्च जोड़ना चाहिए।

लूका 14:33

यीशु के अनुसार, उसके चेलों को क्या करना चाहिए?

उन्हें अपना सब कुछ त्याग देना है।

लूका 14:35

यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो उसके साथ क्या करते हैं?

उसे बाहर फेंक देते हैं।

लूका 15:4

यीशु के दृष्टान्त में, वह गड़रिया क्या करता है जब वह अपनी 100 भेड़ों में से एक को खो देता है?

वह अन्य 99 को छोड़कर खोई हुई भेड़ को खोजने के लिए जाता है।

लूका 15:5

यीशु के दृष्टान्त में, जब गड़रिये को अपनी खोई हुई भेड़ मिल जाती है तो वह क्या करता है?

वह बड़े आनन्द से उसे वापस लाता है।

लूका 15:8

यीशु के दृष्टान्त में, वह स्त्री क्या करती है जिसके पास दस चाँदी के सिक्के हों और उनमें से एक खो जाए?

वह जब तक मिल न जाए, जी लगाकर खोजती है।

लूका 15:9

यीशु के दृष्टान्त में, जब उस स्त्री को खोया हुआ सिक्का मिल जाता है तो वह क्या करती है?

वह अपने सखियों और पड़ोसियों के साथ आनंद करती है।

लूका 15:10

जब एक पापी मन फिराता है तो स्वर्गदूतों के सामने क्या होता है?

परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने आनन्द होता है।

लूका 15:12

यीशु के दृष्टान्त में, छोटे पुत्र ने अपने पिता से क्या अनुरोध किया?

उसने अपने पिता से अनुरोध किया कि संपत्ति में से जो भाग उसका है, वह उसे दे दे।

लूका 15:13

छोटे पुत्र ने अपनी संपत्ति के साथ क्या किया?

उसने कुकर्म में अपनी सम्पत्ति उड़ा दी।

लूका 15:15

जब सब कुछ खर्च कर चूका, तो छोटे पुत्र ने जीवित रहने के लिए क्या किया?

उसने स्वयं को एक अन्य व्यक्ति के सूअर चराने के लिए रखा।

लूका 15:18

जब वह अपने आपे में आया, तो छोटे पुत्र ने क्या करने का निर्णय लिया?

उसने निर्णय लिया कि वह अपने पिता के पास जाएगा और कहेगा कि उसने पाप किया है।

लूका 15:19

छोटे पुत्र ने अपने पिता से अपने लिए क्या करने के लिए कहने की योजना बनाई?

उसने अपने पिता से कहा कि उसे अपने एक मजदूर के समान रख ले।

लूका 15:20

जब पिता ने छोटे पुत्र को वापस घर आते देखा, तो उसने क्या किया?

उसके पिता ने उसे देखकर तरस खाया, और दौड़कर उसे गले लगाया, और बहुत चूमा।

लूका 15:22

पिता ने छोटे पुत्र के लिए झट से क्या किया?

पिता ने उसे एक अच्छा वस्त्र, एक अंगूठी, और जूतियाँ दी।

लूका 15:23

पिता ने अपने छोटे पुत्र की वापसी का उत्सव कैसे मनाया?

पिता ने दासों से कहा कि बड़ा भोज तैयार करो ताकि हम खाएँ और आनंद मनाएँ।

लूका 15:28

जब जेठे पुत्र को छोटे पुत्र के लिए रखे गए भोज के बारे में बताया गया, तो उसकी प्रतिक्रिया क्या थी?

वह क्रोध से भर गया और भीतर जाना न चाहा।

लूका 15:29

जेठे पुत्र की अपने पिता से क्या शिकायत कही?

जेठे पुत्र ने शिकायत की कि उसने पिता की आज्ञा मानी, फिर भी उसे कभी एक बकरी का बच्चा भी नहीं दिया कि वह अपने मित्रों के साथ आनंद करें।

लूका 15:31

पिता ने जेठे पुत्र को क्या उत्तर दिया?

उसने कहा, "पुत्र, तू सर्वदा मेरे साथ है; और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है"।

लूका 15:32

पिता ने क्यों कहा कि छोटे पुत्र के लिए भोज करना उचित था?

यह भोज करना उचित था क्योंकि छोटा पुत्र खो गया था, अब मिल गया है।

लूका 16:1

धनवान ने अपने भण्डारी के विषय में क्या सुना?

उसने सुना कि भण्डारी उसकी सब सम्पत्ति उड़ाए देता है।

लूका 16:5

भण्डारी ने अपना भण्डारी का काम छीने जाने से पहले क्या किया?

उसने अपने स्वामी के देनदारों में से एक-एक को बुलाया।

लूका 16:6

भण्डारी ने अपने स्वामी के पहले देनदार के लिए क्या किया?

उसने उसे अपना कर्ज कम करने की अनुमति दी।

लूका 16:7

भण्डारी ने अपने स्वामी के दूसरे देनदार के लिए क्या किया?

उसने उसे भी उसका कर्ज कम करने की अनुमति दी।

लूका 16:8

धनवान की अपने भण्डारी के काम के प्रति कैसी प्रतिक्रिया थी?

उसने भण्डारी को सराहा, कि उसने चतुराई से काम किया है।

लूका 16:9

इस कहानी के आधार पर यीशु ने दूसरों से क्या करने के लिए कहा?

उसने कहा, "अधर्म के धन से अपने लिए मित्र बना लो; ताकि जब वह जाता रहे, तो वे तुम्हें अनन्त निवासों में ले लें"।

लूका 16:10

यीशु ने उस व्यक्ति के बारे में क्या कहा जो थोड़े से थोड़े में भी विश्वासयोग्य है?

वह बहुत में भी विश्वासयोग्य है।

लूका 16:13

यीशु ने कहा कि हम दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकते। वह किन दो स्वामियों की बात कर रहे थे?

हमें परमेश्वर की सेवा और धन की सेवा करने के बीच चुनना होगा।

लूका 16:16

यूहन्ना के समय से, परमेश्वर के राज्य का प्रचार सुसमाचार के रूप में किया जाता है। यूहन्ना से पहले कौनसी दो बातें प्रभावी थी?

जब तक यूहन्ना आया, तब तक व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता प्रभाव में थे।

लूका 16:16 (#2)

यीशु के अनुसार, अब क्या सुसमाचार प्रचार किया जा रहा है?

परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाया जा रहा है।

लूका 16:18

यीशु के अनुसार, जो कोई अपनी पत्नी को त्याग कर दूसरी से विवाह करता है, वह क्या पाप करता है?

जो कोई अपनी पत्नी को त्याग कर दूसरी से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है।

लूका 16:22

यीशु की कहानी में, कंगाल लाज़र को मरने के बाद कहाँ पहुँचाया?

स्वर्गदूतों ने कंगाल लाज़र को लेकर अब्राहम की गोद में पहुँचाया।

लूका 16:23

धनवान की मृत्यु के बाद क्या हुआ?

वह अधोलोक में पीड़ा में पड़ा हुआ था।

लूका 16:24

धनवान ने अब्राहम से पहला निवेदन क्या किया?

उसने अब्राहम से कहा कि वह लाज़र को थोड़ा पानी लाने के लिए भेज दे, क्योंकि वह इस ज्वाला में तड़प रहा है।

लूका 16:26

अब्राहम ने धनवान को क्या उत्तर दिया?

उसने कहा कि उनके बीच एक बड़ी खाई ठहराई गई है जिसे कोई पार नहीं कर सकता।

लूका 16:27

धनवान ने अब्राहम से दूसरी विनती क्या की?

उसने अब्राहम से विनती की कि लाज़र को उसके पिता के घर भेज।

लूका 16:28

धनवान, लाज़र को उसके पिता के घर क्यों भेजना चाहता था?

वह चाहता था लाज़र उसके भाइयों के सामने इन बातों की अर्थात् अधोलोक की चेतावनी दे।

लूका 16:29

अब्राहम ने धनवान को क्या उत्तर दिया?

उसने कहा कि धनवान के भाइयों के पास तो मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें हैं, वे उनकी सुनें।

लूका 16:31

अब्राहम ने कहा कि जब वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की नहीं सुनते, तो और कौनसी बात उन्हें नहीं मना सकेगी?

तो यदि मरे हुओं में से कोई भी जी उठे तो भी उसकी नहीं मानेंगे।

लूका 17:4

यीशु ने क्या करने के लिए कहा है जब हमारा भाई दिन भर में सात बार हमारे विरुद्ध अपराध करे और सातों बार आकर कहे कि, "मैं पछताता हूँ" ?

हमें उसे हर बार क्षमा करना चाहिए।

लूका 17:10

दास के रूप में, जब हम उन सब कामों को कर चुके हो जिसकी आज्ञा हमें दी गई थी, तो हमें क्या कहना चाहिए?

हमें कहना चाहिए, "हम निकम्मे दास हैं; कि जो हमें करना चाहिए था वही किया है।"

लूका 17:12

जब यीशु सामरिया और गलील प्रदेश की सीमा पर एक गाँव में प्रवेश कर रहा था तो उसे कौन मिला?

उसे दस कोढ़ी मिले।

लूका 17:13

दस कोढ़ियों ने यीशु से क्या कहा था?

उन्होंने कहा, "हे यीशु, हे स्वामी, हम पर दया कर!"

लूका 17:14

यीशु ने कोढ़ियों से क्या करने के लिए कहा?

उसने उनसे कहा कि जाओ और अपने आपको याजकों को दिखाओ।

लूका 17:14 (#2)

जब वे कोढ़ी याजकों के पास गए, तो उनके साथ क्या हुआ?

वे शुद्ध हो गए।

लूका 17:15

दस कोढ़ियों में से कितने यीशु को धन्यवाद देने के लिए लौटे?

केवल एक ही लौटा।

लूका 17:16

जो कोढ़ी यीशु का धन्यवाद करने के लिए लौटा, वह कहाँ का था?

वह सामरी था।

लूका 17:21

जब राज्य के आने के बारे में पूछा गया, तो यीशु ने परमेश्वर का राज्य कहाँ होने के लिए कहा है?

उसने कहा कि परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है।

लूका 17:24

यीशु ने अपने दिन में, जब वह पुनः प्रगट होगा, तब क्या होने के लिए कहा है?

यह वैसा ही होगा जैसे बिजली आकाश की एक छोर से दूसरी छोर तक चमकती है।

लूका 17:25

यीशु ने उसके पुनः आगमन से पहले क्या होना अवश्य बताया है?

वह बहुत दुःख उठाए, और इस युग के लोग उसे तुच्छ ठहराएँ।

लूका 17:27

नूह के दिनों में लोग क्या कर रहे थे?

वे खाते-पीते, विवाह-शादी करते, इस बात से अनजान होकर कि विनाश का दिन आ पहुँचा था।

लूका 17:37

यीशु ने अपने चेलों के प्रश्न, "हे प्रभु यह कहाँ होगा?" का उत्तर देने के लिए प्रकृति से कौन सा उदाहरण लिया?

यीशु ने एक लाश और गिद्ध के उदाहरण का उपयोग किया। उसने कहा कि जहाँ लाश है, वहाँ गिद्ध इकट्ठे होते हैं।

लूका 18:1

यीशु इस कहानी के माध्यम से अपने चेलों को प्रार्थना के विषय में क्या सिखाना चाहता था?

वह उन्हें सिखाना चाहता था कि उन्हें नित्य प्रार्थना करना और साहस नहीं छोड़ना चाहिए।

लूका 18:3

अधर्मी न्यायी से विधवा घड़ी-घड़ी आकर क्या कहती रही?

उसने अपने मुद्दई के विरुद्ध न्याय चुकाने के लिए कहा।

लूका 18:5

कुछ समय बाद, अधर्मी न्यायी ने अपने मन में क्या विचार किया?

उसने कहा, "यह विधवा मुझे सताती रहती है, इसलिए मैं उसका न्याय चुकाऊँगा, कहीं ऐसा न हो कि घड़ी-घड़ी आकर अन्त को मेरी नाक में दम करे"।

लूका 18:8

परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर कैसे देता है, इस विषय में यीशु अपने चेलों को क्या सिखाना चाहता था?

वह उन्हें सिखाना चाहता था कि परमेश्वर उनका न्याय चुकाएगा जो उसकी दुहाई देते रहते हैं।

लूका 18:9

फरीसियों का अपनी और दूसरों की धार्मिकता के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

वे सोचते थे कि वे अन्य लोगों की तुलना में अधिक धर्मी थे।

लूका 18:10

यीशु की कहानी में, कौन दो मनुष्य प्रार्थना करने के लिए मंदिर में गए थे?

एक फरीसी और एक चुंगी लेने वाला मंदिर में प्रार्थना करने के लिए गए।

लूका 18:11

फरीसी का अपनी धार्मिकता और अन्य लोगों के बारे में क्या दृष्टिकोण था?

उसे लगा कि वह अन्य लोगों के समान पापी नहीं है।

लूका 18:13

मंदिर में चुंगी लेनेवाले की परमेश्वर से क्या प्रार्थना थी?

उसने प्रार्थना की, "हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर!"

लूका 18:14

कौन सा मनुष्य परमेश्वर के सामने धर्मी ठहरा और अपने घर गया?

चुंगी लेने वाला मनुष्य धर्मी ठहरा।

लूका 18:16

यीशु ने परमेश्वर के राज्य को किसका बताया है?

उसने कहा कि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का अर्थात् बालकों के समान लोगों का है।

लूका 18:22

यीशु ने उस सरदार से (जो लड़कपन ही से परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता हुआ आया है) क्या करने को कहा?

यीशु ने उससे कहा कि अपना सब कुछ बेचकर कंगालों को बाँट दे।

लूका 18:23

सरदार ने यीशु के कथन पर कैसे प्रतिक्रिया दी और क्यों?

वह बहुत उदास हुआ, क्योंकि वह बड़ा धनी था।

लूका 18:30

यीशु ने उन लोगों से क्या वादा किया जिन्होंने परमेश्वर के राज्य के खातिर सब कुछ छोड़ दिया है?

यीशु ने वादा किया कि वे इस समय कई गुणा अधिक पाए; और परलोक में अनन्त जीवन।

लूका 18:32

यीशु के अनुसार, पुराने नियम में मनुष्य के पुत्र के लिए भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा क्या बातें लिखी गई?

वह अन्यजातियों के हाथ में सौंपा जाएगा, और वे उसका उपहास करेंगे; और उसका अपमान करेंगे

लूका 18:33

पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने, मनुष्य के पुत्र द्वारा तीसरे दिन क्या करने के विषय में लिखा?

उन्होंने लिखा कि वह तीसरे दिन फिर से जी उठेगा।

लूका 18:38

सड़क के किनारे अंधे व्यक्ति ने यीशु से क्या पुकार के कहा?

उसने कहा, "हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!"

लूका 18:43

अंधे व्यक्ति के ठीक होने पर लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उन्होंने परमेश्वर की स्तुति और प्रशंसा की।

लूका 19:2

यीशु को देखने के लिए पेड़ पर कौन चढ़ गया, और उसका पेशा क्या था?

जो व्यक्ति पेड़ पर चढ़ गया वह जक्कई था। वह चुंगी लेवालों का सरदार और धनी था।

लूका 19:7

जब यीशु जक्कई के घर गया, तो सब कुड़कुड़ाकर क्या कहने लगे?

वे कहने लगे, "यीशु तो एक पापी मनुष्य के यहाँ गया है।"

लूका 19:9

जब जक्कई ने संपत्ति कंगालों को देने की घोषणा की तो यीशु ने जक्कई के बारे में क्या कहा?

उसने कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है"।

लूका 19:11

जब यीशु यरूशलेम के निकट था तो लोग क्या समझते थे?

वे समझते थे, कि परमेश्वर का राज्य अभी प्रगट होनेवाला है।

लूका 19:12

यीशु के दृष्टान्त में, वह धनी व्यक्ति कहाँ की यात्रा पर चला?

वह धनी मनुष्य दूर देश को चला ताकि राजपद पाकर लौट आए।

लूका 19:17

धनी मनुष्य ने उस दास के लिए क्या किया जो विश्वासयोग्य था और दस और मुहरें कमाई थी?

धनी मनुष्य ने उसे दस नगरों का अधिकार दिया।

लूका 19:19

धनी मनुष्य ने उस दास के लिए क्या किया जो विश्वासयोग्य था और पाँच और मुहरें कमाई थी?

उसने उसे पाँच नगरों पर अधिकार दिया।

लूका 19:21

दुष्ट दास, धनी मनुष्य के बारे में कैसे विचार रखता था?

वह जानता था कि धनी मनुष्य बहुत मांग करने वाला व्यक्ति है।

लूका 19:24

धनी मनुष्य ने दुष्ट सेवक के साथ क्या किया?

उसने उससे मुहर ले ली।

लूका 19:27

उस धनी मनुष्य ने उन लोगों के साथ क्या किया जो नहीं चाहते थे कि वह उन पर राज्य करें?

धनी मनुष्य ने उन्हें अपने सामने मरवा डाला।

लूका 19:30

यरूशलेम में प्रवेश के समय यीशु किस प्रकार के जानवर पर सवार हुआ?

वह एक गदही के बच्चे पर सवार हुए, जिस पर कभी कोई सवार नहीं हुआ।

लूका 19:38

जब यीशु जैतून पहाड़ के पास पहुँचा, तो भीड़ क्या चिल्लाई?

वे चिल्लाए कि, "धन्य है वह राजा, जो प्रभु के नाम से आता है!"

लूका 19:40

यदि ये आनंद से न चिल्लाए तो यीशु ने क्या होने के लिए कहा है?

उसने कहा कि पत्थर चिल्ला उठेंगे।

लूका 19:41

जब यीशु नगर के निकट आया तो उसने क्या किया?

वह उस पर रोया।

लूका 19:44

यीशु ने लोगों और नगर के साथ क्या घटित होने की भविष्यवाणी की?

उसने कहा कि नगर के बैरी उसे मिट्टी में मिलाएंगे और उसमें पत्थर पर पत्थर भी न छोड़ेंगे।

लूका 19:47

जब यीशु मंदिर में उपदेश देता था तो कौन उसे मार डालना चाहते थे?

प्रधान याजक और शास्त्री और लोगों के प्रमुख उसे मार डालना चाहते थे।

लूका 19:48

वे इस समय उसे क्यों नहीं मार सके?

वे उसे नहीं मार सके, क्योंकि सब लोग बड़ी चाह से उसकी सुनते थे।

लूका 20:4

जब यहूदी अगुवों ने यीशु से पूछा कि किस अधिकार से सिखाता है, तो यीशु ने उनसे क्या प्रश्न पूछा?

उसने पूछा, "यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से था या मनुष्यों की ओर से था?""

लूका 20:5

यदि उन्होंने कहा, "स्वर्ग की ओर से", तो यीशु उनसे क्या कहेगा, इस बारे में यहूदी अगुवों के मन में क्या विचार आया?

यहूदी अगुवों ने सोचा कि यीशु कहेगा, "फिर तुम ने उस पर विश्वास क्यों नहीं किया?"

लूका 20:6

यदि उन्होंने उत्तर दिया, "मनुष्यों की ओर से", तो उन्हें क्या लगता था कि लोग उनके साथ क्या करेंगे?

उन्होंने सोचा कि लोग उन पर पथराव करेंगे।

लूका 20:11

यीशु के दृष्टान्त में, जब स्वामी ने अपने दासों को दाख की बारी से फलों को लाने भेजा, तो किसानों ने क्या किया?

उन्होंने दासों को पीटा, उनका अपमान करके खाली हाथ लौटा दिया।

लूका 20:13

अंत में, स्वामी ने किसानों के पास किसे भेजा?

उसने अपने प्रिय पुत्र को भेजा।

लूका 20:15

जब पुत्र दाख की बारी में आया, तो किसानों ने क्या किया?

उन्होंने उसे दाख की बारी से बाहर निकालकर मार डाला।

लूका 20:16

दाख की बारी का स्वामी उन किसानों के साथ क्या करेगा?

वह आकर उन किसानों को नाश करेगा, और दाख की बारी दूसरों को सौंपेगा।

लूका 20:19

यीशु ने यह दृष्टान्त किसके विरुद्ध कहा?

उसने यह दृष्टांत शास्त्रियों और प्रधान याजकों के विरुद्ध कहा।

लूका 20:25

यीशु ने इस प्रश्न का उत्तर कैसे दिया कि कैसर को कर देना उचित है या नहीं?

उसने कहा जो कैसर का है, वह कैसर को दो और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो।

लूका 20:27

सदूकी किस घटना पर विश्वास नहीं करते थे?

वे मरे हुओं के जी उठने पर अर्थात् पुनरुत्थान पर विश्वास नहीं करते थे।

लूका 20:34

यीशु ने इस संसार में विवाह के विषय में क्या कहा?

इस युग के सन्तानों में तो विवाह-शादी होती है।

लूका 20:35

मरे हुओं में से जी उठने के बाद के विवाह के विषय में यीशु ने क्या कहा?

मरे हुओं में से जी उठने वालों में विवाह-शादी न होगी।

लूका 20:37

यीशु ने पुनरुत्थान की सच्चाई को साबित करने के लिए पुराने नियम की कौन सी कहानी याद की?

उन्होंने मूसा और झाड़ी की कहानी को याद किया, जिसमें मूसा, प्रभु को अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर कहता है।

लूका 20:42

भजन संहिता में प्रभु ने दाऊद के प्रभु से क्या कहा?

प्रभु ने दाऊद के प्रभु से कहा, "मेरे दाहिने बैठ"।

लूका 20:47

बाहरी धार्मिक कार्यों के पीछे, शास्त्री कौन से दुष्ट कार्य कर रहे थे?

वे विधवाओं के घर खा रहे थे, और दिखाने के लिए बड़ी देर तक प्रार्थना कर रहे थे।

लूका 20:47 (#2)

यीशु ने इन शास्त्रियों का न्याय कैसे किए जाने के लिए कहा है?

उसने कहा कि वे बहुत ही दण्ड पाएँगे।

लूका 21:4

यीशु ने क्यों कहा कि कंगाल विधवा स्त्री ने अन्य सभी से बढ़कर भण्डार में डाला?

यीशु ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसने अपनी घटी में से अपनी सारी जीविका डाल दी है, जबकि दूसरों ने अपनी-अपनी बढ़ती में से डाला है जो कि उनका त्याग नहीं था।

लूका 21:6

यीशु ने यरूशलेम के मंदिर के साथ क्या घटित होने का कहा है?

उसने कहा कि किसी पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा, जो ढाया न जाएगा।

लूका 21:7

लोगों ने यीशु से मंदिर के बारे में कौन-कौन से दो प्रश्न पूछे?

उन्होंने पूछा, "यह सब कब होगा? और ये बातें जब पूरी होने पर होंगी, तो उस समय का क्या चिन्ह होगा?"

लूका 21:8

यीशु ने चेतावनी दी कि कई भरमाने वाले आएँगे। ये भरमाने वाले क्या कहेंगे?

वे कहेंगे, "मैं वही हूँ," और "समय निकट आ पहुँचा है।"

लूका 21:10

यीशु ने अंत होने से पहले क्या होने के लिए कहा?

जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा।

लूका 21:11

यीशु ने अंत से पहले कौन-कौन सी भयानक घटनाएँ घटित होने के लिए कहा है?

भूकंप, अकाल, महामारियाँ पड़ेंगी, और आकाश में बड़े-बड़े चिन्ह प्रगट होंगे।

लूका 21:13

विश्वासियों के सताव से कौन सा अवसर हो जाएगा?

यह उनके लिए गवाही देने का अवसर हो जाएगा।

लूका 21:16

कौन यीशु के अनुयायियों से बैर करेंगे?

माता-पिता, भाई, कुटुम्ब और मित्र उनसे बैर करेंगे।

लूका 21:20

कौन सी घटना यह संकेत देगी कि यरूशलेम का उजड़ जाना निकट है?

जब यरूशलेम सेनाओं से घिरा हुआ होगा, तो उसका उजड़ जाना निकट है।

लूका 21:21

यीशु ने उन लोगों से क्या करने के लिए कहा जब वे देखे कि यरूशलेम का उजड़ जाना निकट है?

उसने उनसे कहा कि पहाड़ों पर भाग जाएँ, नगर के बाहर निकल जाएँ, और नगर में प्रवेश न करें।

लूका 21:22

यीशु ने यरूशलेम के उजड़ जाने के दिनों को क्या कहा था?

उसने उन्हें पलटा लेने के ऐसे दिन कहा, जिनमें लिखी हुई सब बातें पूरी हो जाएँगी।

लूका 21:24

यरूशलेम कितने समय तक अन्यजातियों से रौंदा जाएगा?

यरूशलेम अन्यजातियों से तब तक रौंदा जाएगा जब तक कि अन्यजातियों का समय पूरा न हो।

लूका 21:25

यीशु ने सामर्थ्य और बड़ी महिमा के साथ आने से पहले होने वाले कौन से चिन्हों के बारे में बताया है?

उसने कहा कि सूरज और चाँद और तारों में चिन्ह दिखाई देंगे और पृथ्वी पर, देश-देश के लोगों को संकट होगा।

लूका 21:30

यीशु ने कौन सा उदाहरण दिया जिससे उसके सुनने वाले जान लेते हैं कि एक मौसम आ गया है?

उसने कहा कि जब वे अंजीर के पेड़ की कोंपलों को निकलते हुए देखते हैं, तो वे जान लेते हैं कि ग्रीष्मकाल निकट है।

लूका 21:33

यीशु ने किसके टलने की बात कही है?

उसने कहा कि आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे।

लूका 21:33 (#2)

क्या है जो कभी नहीं टलेंगी?

यीशु की बातें कभी न टलेंगी।

लूका 21:34

यीशु ने अपने श्रोताओं को क्या नहीं करने के लिए चेतावनी दी है, चूँकि वह दिन अचानक आ जाएगा?

उसने उन्हें चेतावनी दी कि उनके मन खुमार और मतवालेपन और इस जीवन की चिंताओं से सुस्त न हो जाएँ।

लूका 21:36

यीशु ने अपने श्रोताओं को क्या करने के लिए चेतावनी दी है, चूँकि वह दिन अचानक आ जाएगा?

उसने उन्हें जागते रहने और हर समय प्रार्थना करते रहने के लिए चेतावनी दी है।

लूका 22:1

इस समय यहूदियों का कौन सा पर्व निकट था?

अख़मीरी रोटी का पर्व जो फसह कहलाता है, निकट था।

लूका 22:6

किन परिस्थितियों में यहूदा यीशु को प्रधान याजकों के हाथ पकड़वाने का अवसर ढूँढ रहा था?

वह अवसर ढूँढने लगा, कि बिना उपद्रव के अर्थात् भीड़ से दूर, उसे उनके हाथ पकड़वा दे।

लूका 22:12

यीशु और उसके चेलों ने फसह का भोजन कहाँ खाया?

उन्होंने इसे यरूशलेम में एक सजी-सजाई बड़ी अटारी में खाया।

लूका 22:16

यीशु ने फिर से फसह का भोजन खाने के लिए कब कहा?

उसने कहा कि जब परमेश्वर के राज्य में वह पूरा हो जाएगा, तब वह पुनः फसह का भोजन खाएगा।

लूका 22:19

जब यीशु ने रोटी तोड़कर चेलों को दी तो उसने क्या कहा??

उसने कहा, "यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए दी जाती है: मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।"

लूका 22:20

जब यीशु ने कटोरा चेलों को दिया, तब उसने क्या कहा?

उसने कहा, "यह कटोरा मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है, नई वाचा है"।

लूका 22:22

क्या यह परमेश्वर की योजना थी कि यीशु को धोखा दिया जाए?

हाँ, परमेश्वर ने यह ठहराया कि यीशु के साथ धोखा किया जाएगा।

लूका 22:23

क्या चेलों को यह पता था कि कौन यीशु को धोखा देने वाला है?

नहीं, चेलों को यह नहीं पता था कि कौन है, जो यह काम करेगा अर्थात् यीशु को धोखा देगा।

लूका 22:26

जो कोई उसके चेलों में बड़ा है, यीशु ने उससे क्या करने के लिए कहा है?

उसने कहा कि उनमें से जो बड़ा है, वह छोटे के समान बने।

लूका 22:27

यीशु अपने चेलों के बीच में कैसे रहता था?

वह उनके बीच में एक सेवक के समान रहता था।

लूका 22:30

यीशु ने अपने चेलों से कहाँ बैठने का वादा किया था?

उसने कहा कि वे सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करेंगे।

लूका 22:34

यीशु ने पतरस के लिए क्या करने की भविष्यवाणी की थी?

उसने कहा कि मुर्गा बाँग देगा जब तक वह तीन बार यीशु का इन्कार कर लेगा कि वह उसे नहीं जानता।

लूका 22:37

इन घटनाओं में यीशु के बारे में कौन-सी लिखित भविष्यवाणी पूरी हो रही थी?

यीशु के बारे में लिखी गई भविष्यवाणी जो पूरी हो रही थी, वह यह है कि "वह अपराधी के साथ गिना गया"।

लूका 22:40

जैतून पहाड़ पर, यीशु ने अपने चेलों से किसके लिए प्रार्थना करने के लिए कहा?

वह चाहता था कि वे प्रार्थना करें कि वे परीक्षा में न पड़ें।

लूका 22:42

जैतून पहाड़ पर, यीशु ने क्या प्रार्थना की थी?

उसने प्रार्थना की, "हे पिता यदि तू चाहे तो इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले, फिर भी मेरी नहीं परन्तु तेरी ही इच्छा पूरी हो"।

लूका 22:45

जब यीशु प्रार्थना करके लौटा, तो चेले क्या कर रहे थे?

वे सो रहे थे।

लूका 22:48

यहूदा ने भीड़ के सामने यीशु को कैसे धोखा दिया?

उसने यीशु को चूम कर धोखा दिया।

लूका 22:51

यीशु ने उस पुरुष के साथ क्या किया जिसका कान काट दिया था?

उसने उसका कान छूकर उसे अच्छा किया।

लूका 22:53

यीशु ने कहाँ पर हर दिन प्रधान याजकों के साथ होने की बात कही?

उसने कहा कि वह मंदिर में हर दिन उनके साथ था।

लूका 22:54

उसे पकड़ने के बाद, भीड़ यीशु को कहाँ ले गई?

भीड़ उसे महायाजक के घर में लाई।

लूका 22:57

जब एक दासी ने कहा कि पतरस यीशु के साथ था, तो पतरस ने क्या उत्तर दिया?

उसने कहा, "हे नारी, मैं उसे नहीं जानता"।

लूका 22:60

पतरस द्वारा तीसरी बार यीशु को जानने से इन्कार करने के तुरंत बाद क्या हुआ?

यीशु को जानने से इन्कार करने के तुरन्त बाद मुर्गे ने बाँग दी।

लूका 22:62

यीशु के पतरस की ओर देखने के बाद पतरस ने क्या किया?

वह बाहर निकलकर फूट-फूटकर रोने लगा।

लूका 22:63

यीशु को पकड़े हुए मनुष्यों ने यीशु के साथ क्या किया?

वे उसका उपहास करके पीटने लगे।

लूका 22:64

जो मनुष्य यीशु को पकड़े हुए थे, उन्होंने उसका उपहास कैसे किया?

उन्होंने उसकी आँखें ढाँपकर उससे पूछा कि बता तुझे किसने मारा।

लूका 22:67

महासभा ने यीशु से पूछा कि वह उन्हें बताए कि क्या वह मसीह है। यीशु ने क्या कहा कि वे नहीं करेंगे?

उसने कहा कि निश्चित रूप से वे विश्वास नहीं करेंगे।

लूका 22:71

महासभा ने क्यों कहा कि उन्हें यह साबित करने के लिए गवाहों की आवश्यकता नहीं है कि यीशु ने मसीह होने का दावा किया था?

उन्होंने कहा कि उन्हें अब गवाही की आवश्यकता नहीं है; क्योंकि उन्होंने आप ही यीशु के मुँह से यह कहते हुए सुन लिया है कि वह मसीह है।

लूका 23:2

यहूदी अगुवों ने पिलातुस के सामने यीशु पर क्या दोष लगाए?

उन्होंने कहा कि उन्होंने यीशु को लोगों को बहकाते, कैसर को कर देने से मना करते, और अपने आपको मसीह, राजा कहते हुए सुना है।

लूका 23:4

यीशु से पूछने के बाद, पिलातुस ने उसके बारे में क्या कहा?

उसने कहा, “मैं इस मनुष्य में कुछ दोष नहीं पाता"।

लूका 23:8

हेरोदेस यीशु को क्यों देखना चाहता था?

हेरोदेस यीशु के कुछ चिन्ह देखने की आशा रखता था।

लूका 23:9

यीशु ने हेरोदेस के प्रश्नों का उत्तर किस प्रकार दिया?

उसने हेरोदेस को कुछ भी उत्तर न दिया।

लूका 23:14

जब यीशु को पिलातुस के पास लौटा दिया, तो पिलातुस ने भीड़ से यीशु के बारे में क्या कहा?

उसने कहा कि जिन बातों का वे उस पर दोष लगाते है, उन बातों के विषय में यीशु में कुछ भी दोष नहीं पाया है।

लूका 23:18

भीड़ पिलातुस से फसह के पर्व पर किसको छुड़वाना चाहती थी?

वे एक अपराधी, बरअब्बा को छुड़वाना चाहते थे।

लूका 23:21

भीड़ यीशु के साथ क्या किए जाने के लिए चिल्ला रही थी?

उन्होंने चिल्लाकर कहा, “उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर!”

लूका 23:22

तीसरी बार, पिलातुस ने भीड़ से यीशु के बारे में क्या कहा?

पिलातुस ने कहा, "मैंने उसमें मृत्युदण्ड के योग्य कोई बात नहीं पाई!"

लूका 23:23

पिलातुस ने अंततः यीशु को क्रूस पर चढ़ाने की भीड़ की मांग क्यों स्वीकार कर ली?

उसने उनकी मांग स्वीकार कर ली, क्योंकि वे चिल्ला चिल्लाकर पीछे पड़ गए।

लूका 23:26

कौन यीशु का क्रूस लादकर उसके पीछे-पीछे चला?

शमौन नाम एक कुरेनी ने यीशु का क्रूस उठाया।

लूका 23:28

यीशु ने यरूशलेम की स्त्रियों को उसके बजाय किसके लिए रोने के लिए कहा?

यीशु ने कहा कि उन्हें अपने और अपने बालकों के लिए रोना चाहिए।

लूका 23:32

यीशु के साथ किसे क्रूस पर चढ़ाया गया था?

यीशु के साथ दो कुकर्मियों को क्रूस पर चढ़ाया गया था।

लूका 23:35

चूंकि यीशु ने मसीह होने का दावा किया, तो लोग, सिपाही और एक अपराधी ने यीशु को क्या करने की चुनौती दी?

उन्होंने उसे अपने आपको बचा लेने की चुनौती दी।

लूका 23:38

यीशु के ऊपर लगे दोषपत्र पर क्या लिखा हुआ था?

दोषपत्र पर लिखा था, "यह यहूदियों का राजा है"।

लूका 23:42

दूसरे कुकर्मी ने यीशु से क्या निवेदन किया?

उसने कहा, "जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना"।

लूका 23:43

यीशु ने दूसरे कुकर्मी से क्या वादा किया?

उसने कहा, "आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा"।

लूका 23:44

यीशु की मृत्यु से ठीक पहले कौन सी चमत्कारी घटना घटी?

दोपहर से तीसरे पहर तक अर्थात् तीन घंटे तक सारे देश में अंधियारा छाया रहा।

लूका 23:45

यीशु की मृत्यु से ठीक पहले कौन सी चमत्कारिक घटनाएँ घटी?

सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच से फट गया।

लूका 23:47

यीशु की मृत्यु के बाद सूबेदार ने यीशु के बारे में क्या कहा?

उसने कहा, "निश्चय यह मनुष्य धर्मी था"।

लूका 23:52

अरिमतियाह के यूसुफ ने पिलातुस से क्या माँगा?

उसने पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।

लूका 23:53

अरिमतियाह के यूसुफ ने यीशु के शव के साथ क्या किया?

उसने यीशु के शव को एक नई कब्र में रखा।

लूका 23:54

जब यीशु को दफनाया गया, तब कौन सा दिन आरंभ होने पर था?

सब्त का दिन आरंभ होने पर था।

लूका 23:56

सब्त के दिन यीशु के साथ रही स्त्रियों ने क्या किया?

उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार विश्राम किया।

लूका 24:1

स्त्रियाँ यीशु की कब्र पर कब आईं?

वे सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर को कब्र पर आई।

लूका 24:2

महिलाओं ने क्या देखा कि कब्र पर क्या हुआ था?

उन्होंने पत्थर को कब्र पर से लुढ़का हुआ पाया।

लूका 24:3

स्त्रियों ने कब्र के भीतर क्या पाया?

उन्होंने प्रभु यीशु का शव न पाया।

लूका 24:6

झलकते वस्त्रों में दो पुरुषों (स्वर्गदूतों) ने यीशु के साथ क्या होना बताया?

उन्होंने स्त्रियों से कहा कि यीशु जी उठा है।

लूका 24:11

जब स्त्रियों ने कब्र पर अपने अनुभव के बारे में बताया, तो प्रेरितों की प्रतिक्रिया क्या थी?

ये बातें उन्हें कहानी के समान लगी और उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया।

लूका 24:12

जब पतरस ने कब्र में देखा, तो उसने क्या देखा?

पतरस ने केवल कपड़े पड़े देखे।

लूका 24:16

जब दो चेले इम्माऊस को जा रहे थे और यीशु उनके साथ हो लिया तो उन्होंने उसे पहचाना क्यों नहीं?

उनकी आँखें ऐसी बन्द कर दी गईं थी, कि उसे पहचान न सके।

लूका 24:21

जब यीशु जीवित था, तो चेलों को उससे क्या करने की आशा थी?

उन्हें आशा थी, कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा।

लूका 24:27

यीशु ने उन दोनों व्यक्तियों को पवित्रशास्त्रों से क्या समझाया?

उसने अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया।

लूका 24:31

जब यीशु ने रोटी लेकर धन्यवाद किया, उसे तोड़कर उन्हें देने लगा, तो उन दो शिष्यों के साथ क्या हुआ?

उनकी आँखें खुल गईं, और उन्होंने उन्हें पहचान लिया।

लूका 24:36

जब यीशु यरूशलेम में चेलों के सामने प्रकट हुआ, तो उसने सबसे पहले क्या कहा?

उन्होंने कहा, "तुम्हें शांति मिले"।

लूका 24:39

यीशु ने कैसे साबित किया कि वह कोई भूत नहीं था?

उसने चेलों को उसे छूकर देखने के लिए आमंत्रित किया, और अपने हाथ और पाँव दिखाए।

लूका 24:45

तब चेलों ने पवित्रशास्त्र को कैसे समझा?

यीशु ने पवित्रशास्त्र समझने के लिए उनकी समझ खोल दी।

लूका 24:47

यीशु ने सभी जातियों में क्या प्रचार करने के लिए कहा?

यीशु ने कहा कि सब जातियों में मन फिराव का और पापों की क्षमा का प्रचार किया जाएगा।

लूका 24:49

यीशु ने चेलों से किस बात में ठहरने के लिए कहा?

उसने उनसे कहा कि जब तक वे स्वर्ग से सामर्थ्य न पाए, तब तक इसी नगर में ठहरे रहे।

लूका 24:51

जब यीशु बैतनिय्याह के पास चेलों को आशीष दे रहा था, तब क्या हुआ?

उसे स्वर्ग पर उठा लिया गया।

लूका 24:53

फिर चेलों ने अपना समय कहाँ व्यतीत किया और क्या किया करते थे?

वे लगातार मन्दिर में उपस्थित होकर परमेश्वर की स्तुति किया करते थे।